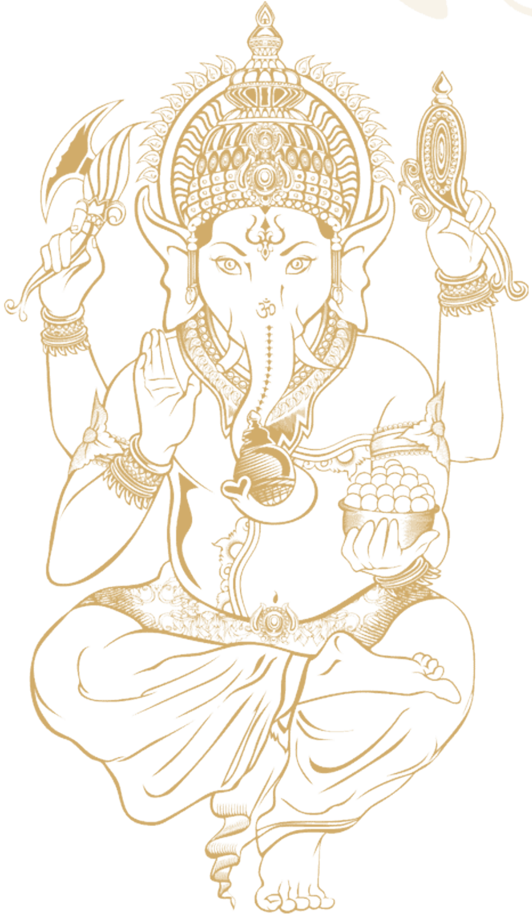

Miss Aradhna kumari

16 Apr 2002

09:15 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120986403

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**16/04/2002**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**09:15:00 घंटे**
इष्ट	08:19:16 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:53:52 घंटे
वेलान्तर	00:00:08 घंटे
साम्पातिक काल	22:30:21 घंटे
सूर्योदय	05:55:17 घंटे
सूर्यास्त	18:47:14 घंटे
दिनमान	12:51:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	02:05:59 मेष
लग्न के अंश	27:57:30 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सौभाग्य
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-ऐश्वर्या
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	27:57:30	345:06:26	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			मेष	02:05:59	00:58:44	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			वृष	09:38:06	12:25:27	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			वृष	07:46:09	00:40:54	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	सम राशि
बुध		अ	मेष	11:46:38	02:02:51	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
गुरु			मिथु	14:53:29	00:07:47	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	24:24:05	01:13:29	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि			वृष	17:59:03	00:06:13	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृष	25:04:30	00:02:25	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	25:04:30	00:02:25	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	04:02:35	00:02:12	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप			मक	16:53:36	00:00:53	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	23:33:19	00:00:50	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			कुंभ	11:54:24	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:02

लग्न-चलित

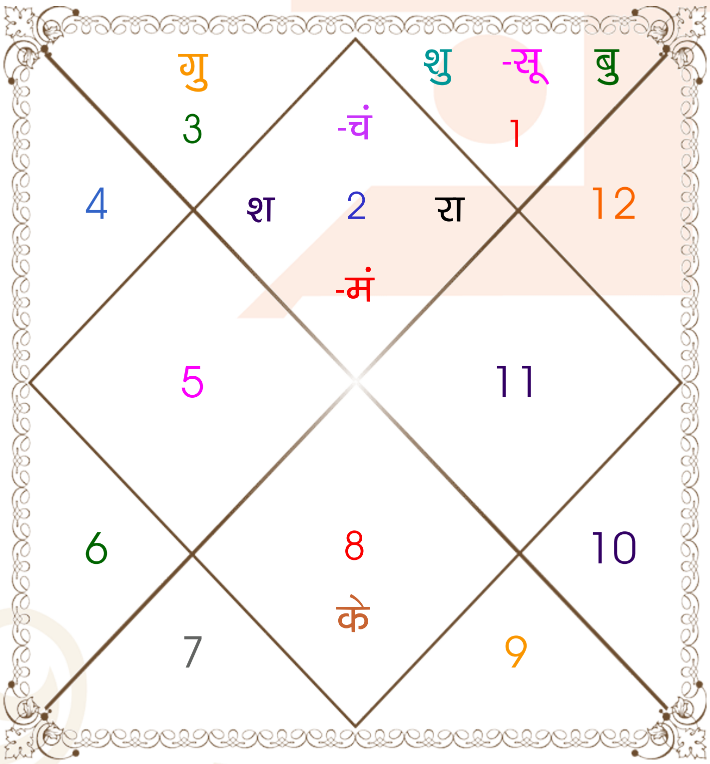

चन्द्र कुंडली

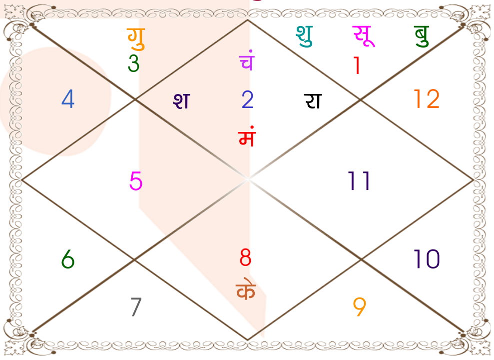

नवमांश कुंडली

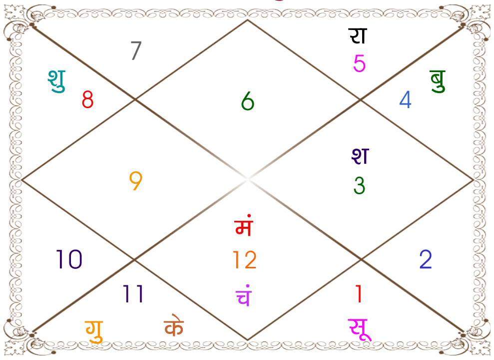

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 1 मास 29 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
16/04/2002		15/06/2002		14/06/2012		15/06/2019		15/06/2037	
15/06/2002		14/06/2012		15/06/2019		15/06/2037		15/06/2053	
	00/00/0000	चंद्र	15/04/2003	मंगल	11/11/2012	राहु	25/02/2022	गुरु	03/08/2039
	00/00/0000	मंगल	14/11/2003	राहु	29/11/2013	गुरु	21/07/2024	शनि	13/02/2042
	00/00/0000	राहु	15/05/2005	गुरु	05/11/2014	शनि	28/05/2027	बुध	21/05/2044
	00/00/0000	गुरु	14/09/2006	शनि	15/12/2015	बुध	14/12/2029	केतु	27/04/2045
	00/00/0000	शनि	14/04/2008	बुध	11/12/2016	केतु	02/01/2031	शुक्र	27/12/2047
	00/00/0000	बुध	14/09/2009	केतु	09/05/2017	शुक्र	02/01/2034	सूर्य	14/10/2048
	00/00/0000	केतु	15/04/2010	शुक्र	09/07/2018	सूर्य	26/11/2034	चंद्र	13/02/2050
	16/04/2002	शुक्र	15/12/2011	सूर्य	14/11/2018	चंद्र	27/05/2036	मंगल	20/01/2051
शुक्र	15/06/2002	सूर्य	14/06/2012	चंद्र	15/06/2019	मंगल	15/06/2037	राहु	15/06/2053

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
15/06/2053		14/06/2072		15/06/2089		14/06/2096		15/06/2116	
14/06/2072		15/06/2089		14/06/2096		15/06/2116		17/04/2122	
शनि	17/06/2056	बुध	11/11/2074	केतु	11/11/2089	शुक्र	15/10/2099	सूर्य	03/10/2116
बुध	26/02/2059	केतु	08/11/2075	शुक्र	11/01/2091	सूर्य	15/10/2100	चंद्र	04/04/2117
केतु	05/04/2060	शुक्र	08/09/2078	सूर्य	19/05/2091	चंद्र	16/06/2102	मंगल	09/08/2117
शुक्र	06/06/2063	सूर्य	16/07/2079	चंद्र	18/12/2091	मंगल	16/08/2103	राहु	04/07/2118
सूर्य	18/05/2064	चंद्र	14/12/2080	मंगल	15/05/2092	राहु	16/08/2106	गुरु	22/04/2119
चंद्र	17/12/2065	मंगल	11/12/2081	राहु	02/06/2093	गुरु	16/04/2109	शनि	03/04/2120
मंगल	26/01/2067	राहु	30/06/2084	गुरु	09/05/2094	शनि	15/06/2112	बुध	08/02/2121
राहु	02/12/2069	गुरु	05/10/2086	शनि	18/06/2095	बुध	16/04/2115	केतु	16/06/2121
गुरु	14/06/2072	शनि	15/06/2089	बुध	14/06/2096	केतु	15/06/2116	शुक्र	17/04/2122

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 1 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगी। आप सदैव ही पुरुष तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगी।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगी मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगी।

यद्यपि आप सहज स्वभाव की प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय महिला हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतीं बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाती हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देती हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करती हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करती है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकती हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरस्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुई तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगी। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करती रहेंगी।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगी।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहती हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करती हैं। अंततः आपकी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगी। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगी।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करती रहती हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करती हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति की स्वामी होंगी। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगी। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।